HINDI FILE

SIX SIGMA IAS

Dream | Dare | Deliver

DREAM FOR NATION | DARE TO SERVE | DELIVER WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : AUGUST 29, 2026

Comprehensive Coverage | Exam-Focused Analysis | Concept Clarity & Insights | Practice MCQs with Explanation | Daily Updates, Better Results

CONTACT INFO:
+91 92896 33341 | +91 96679 33341

EMAIL ID:
info@sixsigmaias.com

WEB PAGE:
www.sixsigmaias.com

ADDRESS:
C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मुगल प्रशासनिक व्यवस्था में, 'जागीर' कार्यभार (assignments) वंशानुगत थे और मनसबदार से स्थायी रूप से जुड़े हुए थे।
2. राजस्व मूल्यांकन की 'ज़ब्त' (zabt) प्रणाली राज्य की मांग तय करने के लिए भूमि की माप और फसलों के वर्गीकरण पर निर्भर थी।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 गलत है।** जागीरें वंशानुगत नहीं थीं; वे मनसबदारों को दिए गए हस्तांतरणीय (transferable) कार्यभार थे। स्थानीय वर्चस्व को रोकने के लिए जागीरों का बार-बार स्थानांतरण इस व्यवस्था की एक प्रमुख विशेषता थी।
- **कथन 2 सही है।** ज़ब्त प्रणाली, विशेष रूप से अकबर के शासनकाल के दौरान, व्यवस्थित भूमि माप और वर्गीकरण पर आधारित थी, जिसमें राजस्व की मांग निर्धारित करने के लिए औसत उपज और कीमतों का उपयोग किया जाता था।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा पारिस्थितिकी तंत्र विकास के संदर्भ में "पारिस्थितिक अनुक्रमण" (ecological succession) की अवधारणा को सबसे अच्छी तरह समझाता है?

(a) मौसमी प्रवास के कारण पारिस्थितिकी तंत्र में प्रजातियों का प्रतिस्थापन।

(b) किसी दिए गए क्षेत्र में समय के साथ प्रजातियों की संरचना में क्रमिक और व्यवस्थित परिवर्तन।

(c) विनाशकारी विक्षोभों के कारण पारिस्थितिकी तंत्र में अचानक परिवर्तन।

(d) पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के लिए नई प्रजातियों का कृत्रिम परिचय।

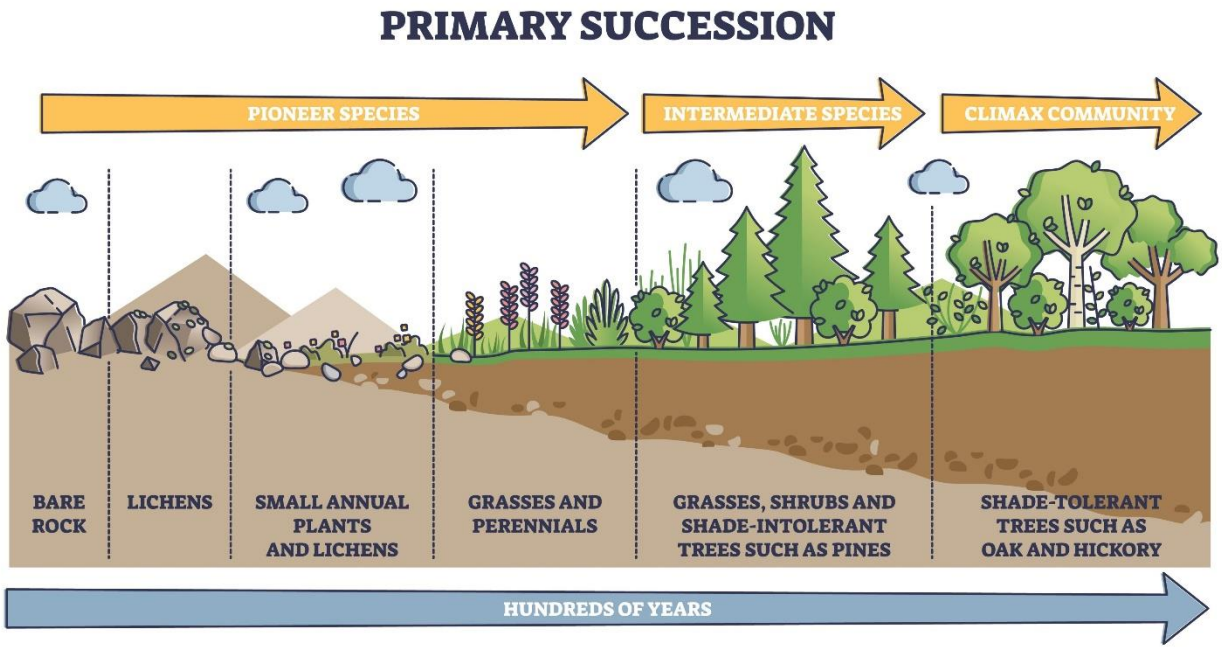

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological succession) से तात्पर्य समय के साथ पारिस्थितिकी तंत्र में प्रजातियों की संरचना में क्रमिक और पूर्वानुमेय परिवर्तन से है, जो प्रारंभिक अवस्था (pioneer stages) से चरम समुदाय (climax community) की ओर ले जाता है।

- (a) प्रवास (migration) को संदर्भित करता है, अनुक्रमण को नहीं।
- (c) विक्षोभ (disturbance) को संदर्भित करता है, व्यवस्थित प्रगति को नहीं।
- (d) मानवीय हस्तक्षेप को संदर्भित करता है, प्राकृतिक अनुक्रमण को नहीं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो दर में वृद्धि का उद्देश्य आम तौर पर अर्थव्यवस्था में तरलता (liquidity) को कम करना होता है।
2. राजकोषीय घाटा अनिवार्य रूप से सभी आर्थिक स्थितियों में मुद्रास्फीति (inflation) का कारण बनता है।
3. खुले बाजार की गतिविधियाँ (OMOs) मुद्रा आपूर्ति को विनियमित करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री से जुड़ी होती हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** उच्च रेपो दर उधार लेने की लागत को बढ़ाती है, जिससे बाजार में तरलता कम हो जाती है।
- **कथन 2 गलत है।** राजकोषीय घाटा हमेशा मुद्रास्फीति का कारण नहीं बनता; इसका प्रभाव आउटपुट गैप और मांग जैसी आर्थिक स्थितियों पर निर्भर करता है।
- **कथन 3 सही है।** केंद्रीय बैंक द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद/बिक्री के माध्यम से धन की आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए OMOs का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. संविधान के 'मूल संरचना सिद्धांत' (Basic Structure Doctrine) को पहली बार केशवानंद भारती मामले में प्रतिपादित किया गया था।
2. संसद अनुच्छेद 368 के तहत बिना किसी सीमा के मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है।
3. संविधान में 'न्यायिक पुनरावलोकन' (Judicial Review) का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।
4. प्रस्तावना (Preamble) न्यायालय में प्रवर्तनीय (enforceable) है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** यह सिद्धांत केशवानंद भारती (1973) मामले में स्थापित किया गया था।
- **कथन 2 गलत है।** संसद की संशोधन शक्ति 'मूल संरचना सिद्धांत' द्वारा सीमित है।
- **कथन 3 सही है।** यद्यपि "न्यायिक पुनरावलोकन" शब्द का प्रयोग नहीं है, लेकिन यह शक्ति अनुच्छेद 13, 32 और 226 जैसे प्रावधानों से प्राप्त होती है।
- **कथन 4 गलत है।** प्रस्तावना प्रवर्तनीय नहीं है, हालांकि यह व्याख्या के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

अभिकथन (A): भारतीय उपमहाद्वीप पर भूस्खलन (landfall) करने के बाद उष्णकटिबंधीय चक्रवात काफी कमजोर हो जाते हैं।

कारण (R1): वे गर्म समुद्री जल द्वारा आपूर्ति की जाने वाली ऊर्जा के अपने प्राथमिक स्रोत को खो देते हैं।

कारण (R2): भूमि पर सतह के घर्षण (friction) में वृद्धि उनके संगठित परिसंचरण को बाधित करती है।

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) A सही है, और R1 और R2 दोनों सही हैं और A की व्याख्या करते हैं।

(b) A सही है, लेकिन R1 या R2 में से केवल एक ही A की व्याख्या करता है।

(c) A सही है, लेकिन न तो R1 और न ही R2, A की व्याख्या करता है।

(d) A गलत है, लेकिन R1 और R2 दोनों सही हैं।

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

अभिकथन सही है। लैंडफॉल के बाद उष्णकटिबंधीय चक्रवात कमजोर हो जाते हैं।

- **R1 सही है:** चक्रवात गर्म समुद्री जल की गुप्त ऊष्मा (latent heat) से ऊर्जा प्राप्त करते हैं; भूमि इस आपूर्ति को काट देती है।
- **R2 सही है:** भूमि के कारण घर्षण अधिक होता है, जिससे चक्रवात की संरचना बाधित होती है।
- चूंकि दोनों कारण अभिकथन की सही व्याख्या करते हैं, इसलिए विकल्प (a) सही है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता (liquidity) को अवशोषित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वेरिएबल रेट रेपो (VRR) नीलामियाँ आयोजित की जाती हैं।
2. VRR नीलामियों में, ब्याज दर केंद्रीय बैंक द्वारा पूर्व-निर्धारित होती है और बैंक केवल धन की मात्रा तय करते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) दोनों

(c) कोई नहीं

(d) निर्धारित नहीं किया जा सकता

उत्तर: (a)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** VRR नीलामियाँ RBI द्वारा अधिशेष तरलता को सोखने के लिए उपयोग किए जाने वाले तरलता अवशोषण उपकरण हैं।
- **कथन 2 गलत है।** VRR में, ब्याज दर बाजार-निर्धारित (नीलामी-आधारित) होती है, न कि RBI द्वारा तय। बैंक दर और राशि दोनों के लिए बोली लगाते हैं।

प्रश्न 2. द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG) और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) LPG मुख्य रूप से मीथेन है, जबकि LNG में मुख्य रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन होते हैं।

(b) अपनी संरचना के कारण LNG को LPG की तुलना में बहुत कम तापमान पर संग्रहीत किया जाता है।

(c) LPG को दबाव में द्रवीकृत नहीं किया जा सकता है, जबकि LNG को किया जा सकता है।

(d) LNG हवा से भारी है, जबकि LPG हवा से हल्की है।

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

LNG (मुख्य रूप से मीथेन) को द्रवीकरण के लिए अत्यधिक निम्न तापमान (लगभग -162°C) की आवश्यकता होती है, जबकि LPG (प्रोपेन/ब्यूटेन) मध्यम दबाव में द्रवीकृत हो जाती है।

- (a) उल्टा दिया गया है।
- (c) गलत है; LPG को दबाव में आसानी से द्रवीकृत किया जा सकता है।
- (d) गलत है; LPG हवा से भारी है, LNG हल्की है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. स्पेस रिएक्टर 1 (SR-1) फ्रीडम अंतरिक्ष यान को गहरे अंतरिक्ष प्रणोदन (propulsion) और बिजली उत्पादन के लिए परमाणु विखंडन का उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
2. अंतरिक्ष में परमाणु प्रणालियों की अक्षमता के कारण ऐसे अंतरिक्ष परमाणु रिएक्टर मुख्य रूप से बैकअप के रूप में सौर पैनलों पर निर्भर होते हैं।
3. पारंपरिक रासायनिक प्रणोदन की तुलना में परमाणु ऊर्जा से चलने वाले अंतरिक्ष यान मंगल से आगे के मिशनों के लिए यात्रा के समय को काफी कम कर सकते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** SR-1 जैसी परियोजनाएं परमाणु विखंडन-आधारित प्रणोदन/शक्ति प्रणालियों का लक्ष्य रखती हैं।
- **कथन 2 गलत है।** गहरे अंतरिक्ष के लिए परमाणु प्रणालियाँ अधिक कुशल हैं, और सूर्य से दूर होने पर सौर पैनल कम प्रभावी होते हैं।
- **कथन 3 सही है।** परमाणु प्रणोदन रासायनिक रॉकेटों की तुलना में उच्च दक्षता और तेज़ यात्रा समय प्रदान करता है।

प्रश्न 4. रिफॉर्म एक्सप्रेस पहल (Reform Express Initiative) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य अंतर-राज्यीय सर्वोत्तम प्रथाओं (best practices) को साझा करने के माध्यम से शासन सुधारों में तेजी लाना है।
2. सभी राज्यों में कार्यान्वयन के लिए यह संवैधानिक संशोधनों को अनिवार्य बनाता है।
3. यह व्यापार करने में आसानी (ease of doing business), रसद (logistics) और डिजिटल शासन जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** रिफॉर्म एक्सप्रेस सहकारी संघवाद और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।
- **कथन 2 गलत है।** यह संवैधानिक संशोधनों को अनिवार्य नहीं करता है; यह एक नीतिगत पहल है।
- **कथन 3 सही है।** यह रसद, शासन और व्यावसायिक माहौल जैसे प्रमुख सुधार क्षेत्रों को लक्षित करता है।

प्रश्न 5. वायु बाण परियोजना (Vayu Baan Project) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह हाइपरसोनिक एयर-ब्रीदिंग प्रणोदन प्रणालियों के विकास से जुड़ा है।
2. यह मुख्य रूप से वाणिज्यिक विमानों की दक्षता में सुधार के लिए एक नागरिक उड्डयन पहल है।
3. इस परियोजना में रक्षा अनुसंधान एजेंसियों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग शामिल है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** वायु बाण उन्नत प्रणोदन (हाइपरसोनिक/एयर-ब्रीदिंग सिस्टम) से संबंधित है।
- **कथन 2 गलत है।** यह रक्षा-उन्मुख है, न कि नागरिक उड्डयन परियोजना।
- **कथन 3 सही है।** ऐसी परियोजनाओं में आमतौर पर DRDO जैसी एजेंसियों और शिक्षा जगत का सहयोग शामिल होता है।

प्रश्न 6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) का ऊर्जा घनत्व इसकी गैसीय अवस्था की तुलना में प्रति इकाई आयतन अधिक होता है, जो इसे लंबी दूरी के परिवहन के लिए उपयुक्त बनाता है।
2. LPG सिलेंडरों को आम तौर पर LNG भंडारण के समान क्रायोजेनिक तापमान पर संग्रहीत किया जाता है।
3. LNG बुनियादी ढांचे को वितरण से पहले विशेष पुनर्गैसीकरण (regasification) टर्मिनलों की आवश्यकता होती है।
4. LPG का उपयोग मुख्य रूप से औद्योगिक फीडस्टॉक के रूप में किया जाता है, घरेलू ईंधन के रूप में नहीं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 सही है।** LNG अत्यधिक सघन होती है, जो इसके परिवहन को संभव बनाती है।
- **कथन 2 गलत है।** LPG को मध्यम दबाव में संग्रहित किया जाता है, क्रायोजेनिक तापमान पर नहीं।
- **कथन 3 सही है।** उपयोग से पहले LNG को पुनर्गैसीकृत किया जाना आवश्यक है।
- **कथन 4 गलत है।** LPG का व्यापक रूप से घरेलू रसोई ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 7. ल्वीव (Lviv) के ऐतिहासिक स्थापत्य समूह के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह काला सागर तट के पास पूर्वी यूक्रेन में स्थित है।

2. यह शहर मध्य यूरोपीय स्थापत्य प्रभावों के मिश्रण को दर्शाता है जिसमें गोथिक, बारोक और पुनर्जागरण (Renaissance) शैलियाँ शामिल हैं।
3. इसके अच्छी तरह से संरक्षित शहरी ढांचे के कारण इसे यूनेस्को (UNESCO) विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

- **कथन 1 गलत है।** ल्वीव पश्चिमी यूक्रेन में स्थित है, न कि काला सागर के पास।
- **कथन 2 सही है।** ल्वीव विविध यूरोपीय स्थापत्य शैलियों को प्रदर्शित करता है।
- **कथन 3 सही है।** यह अपने ऐतिहासिक शहरी परिदृश्य के लिए यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. "भारत में शहरीकरण केवल एक जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं है, बल्कि एक जटिल सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन है।"

भारत में शहरीकरण से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों की चर्चा कीजिए।

उत्तर: भारत में शहरीकरण कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर एक संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह केवल जनसंख्या की आवाजाही नहीं है, बल्कि आजीविका, सामाजिक संबंधों और आर्थिक पैटर्न में एक परिवर्तन है। सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में शहरों के 60% से अधिक योगदान के साथ, शहरीकरण भारत के विकास पथ (Growth Trajectory) के केंद्र में है।

अवसर: शहरी क्षेत्र नवाचार, औद्योगिकीकरण और सेवा क्षेत्र के विस्तार को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास के इंजन के रूप में कार्य करते हैं। 'एग्लोमरेशन इकोनॉमी' (Agglomeration economies) लागत कम करती है और उत्पादकता में सुधार करती है। स्मार्ट सिटीज मिशन जैसी पहलों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे और शासन को बढ़ाना है। शहरीकरण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार के अवसरों तक पहुंच में भी सुधार करता है।

चुनौतियां: हालांकि, तीव्र और अनियोजित शहरीकरण ने गंभीर समस्याओं को जन्म दिया है। आवास की कमी के परिणामस्वरूप मलिन बस्तियों (स्लम) का प्रसार होता है। जल आपूर्ति, स्वच्छता और परिवहन जैसे बुनियादी ढांचे अपर्याप्त बने हुए हैं। वायु प्रदूषण और अपशिष्ट कुप्रबंधन सहित पर्यावरणीय गिरावट बढ़ रही है। शहरी विषमताओं में सामाजिक असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

शहरी शासन एक अन्य प्रमुख चिंता का विषय है। खंडित संस्थागत ढांचे और एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी प्रभावी योजना में बाधा डालती है। शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) की वित्तीय बाधाएं समस्या को और बढ़ा देती हैं।

आगे की राह: एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। विकेंद्रीकरण के माध्यम से शहरी शासन को मजबूत करना, ULBs की वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ाना और टिकाऊ शहरी नियोजन को बढ़ावा देना आवश्यक है। पारगमन-उन्मुख विकास (Transit-oriented development) और किफायती आवास योजनाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

इस प्रकार, शहरीकरण एक अवसर और चुनौती दोनों है। इसकी सफलता समावेशी, टिकाऊ और सुनियोजित शहरी विकास रणनीतियों पर निर्भर करती है।

प्रश्न 2. भारत में लोकतांत्रिक शासन को मजबूत करने में नागरिक समाज (Civil Society) की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

उत्तर: नागरिक समाज में स्वैच्छिक संगठन, गैर-सरकारी संगठन (NGOs), सामुदायिक समूह और राज्य के बाहर सामूहिक रूप से कार्य करने वाले नागरिक शामिल होते हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में, नागरिक समाज सरकार और जनता के बीच की खाई को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शासन में भूमिका: नागरिक समाज पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाता है। सूचना का अधिकार (RTI) अभियान जैसे आंदोलनों ने नागरिकों को जवाबदेही मांगने के लिए सशक्त बनाया। मनरेगा (MGNREGA) जैसी योजनाओं में 'सोशल ऑडिट' (सामाजिक अंकेक्षण) उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हैं।

यह जनमत जुटाकर और नागरिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करके सहभागी शासन की सुविधा भी प्रदान करता है। NGOs स्वास्थ्य, शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों के समाधान के लिए जमीनी स्तर पर काम करते हैं।

नागरिक समाज एक 'वॉचडॉग' (प्रहरी) के रूप में भी कार्य करता है, जो भ्रष्टाचार और नीतिगत विफलताओं को उजागर करता है। यह विशेषज्ञता और फीडबैक प्रदान करके नीति निर्माण में योगदान देता है।

चुनौतियां: अपने महत्व के बावजूद, नागरिक समाज को नियामक प्रतिबंधों, वित्त पोषण की कमी और विश्वसनीयता के मुद्दों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। NGOs के राजनीतिकरण को लेकर भी चिंता बनी रहती है।

आगे की राह: राज्य और नागरिक समाज के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है। NGO के कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और नियामक ढांचे को आसान बनाना प्रभावशीलता को बढ़ा सकता है।

इस प्रकार, लोकतंत्र को गहरा करने और समावेशी शासन सुनिश्चित करने के लिए नागरिक समाज अपरिहार्य है।

प्रश्न 3. भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में सतत विकास (Sustainable Development) के महत्व पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: सतत विकास का तात्पर्य भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए पर्यावरणीय सुरक्षा के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

महत्व: भारत के तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने पर्यावरणीय गिरावट को जन्म दिया है। वायु प्रदूषण, जल की कमी और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे दीर्घकालिक विकास के लिए खतरा पैदा करते हैं। सतत विकास संसाधन संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन सुनिश्चित करता है।

सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है। टिकाऊ कृषि मृदा स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देती है। हरित बुनियादी ढांचा जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलापन (resilience) बढ़ाता है।

आर्थिक परिप्रेक्ष्य: स्थिरता (Sustainability) कोई बाधा नहीं बल्कि एक अवसर है। हरित प्रौद्योगिकियां रोजगार पैदा करती हैं और निवेश आकर्षित करती हैं। वैश्विक समझौतों के तहत भारत की प्रतिबद्धता उसकी अंतरराष्ट्रीय स्थिति को मजबूत करती है।

चुनौतियां: उच्च प्रारंभिक लागत, तकनीकी अंतराल और नीति कार्यान्वयन के मुद्दे प्रगति में बाधा डालते हैं। अल्पकालिक विकास और दीर्घकालिक स्थिरता के बीच एक संतुलन (trade-off) बनाने की चुनौती भी रहती है।

आगे की राह: नीति एकीकरण, जन जागरूकता और तकनीकी नवाचार प्रमुख हैं। निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और नियामक ढांचे को मजबूत करना सतत विकास को गति दे सकता है।

इस प्रकार, भारत में समावेशी और लचीले आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए स्थिरता आवश्यक है।

प्रश्न 4. "लोक प्रशासन में नैतिकता केवल अनुपालन (compliance) के बारे में नहीं है, बल्कि सार्वजनिक सेवा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में है।" चर्चा कीजिए।

उत्तर: लोक प्रशासन में नैतिकता नियमों और विनियमों के पालन से कहीं आगे जाती है। इसमें ईमानदारी (Integrity), जवाबदेही, पारदर्शिता और जन कल्याण जैसे मूल्यों के प्रति गहरा समर्पण शामिल है।

अनुपालन से परे: अनुपालन यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारी कानूनों का पालन करें, लेकिन यह नैतिक परिणामों की गारंटी नहीं दे सकता है। नैतिक प्रतिबद्धता के लिए मूल्यों को आत्मसात करने और अस्पष्ट स्थितियों में भी सार्वजनिक हित में निर्णय लेने की आवश्यकता होती है।

उदाहरण के लिए, एक सिविल सेवक नियमों का पालन कर सकता है लेकिन फिर भी अनुचित व्यवहार कर सकता है। नैतिक शासन निष्पक्षता, सहानुभूति और जिम्मेदारी की मांग करता है।

महत्व: नैतिकता जनता का विश्वास और शासन की वैधता का निर्माण करती है। यह भ्रष्टाचार को रोकती है और दक्षता बढ़ाती है। नैतिक नेतृत्व अधीनस्थों को प्रेरित करता है और अखंडता की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

चुनौतियां: राजनीतिक दबाव, नौकरशाही की जड़ता (inertia) और जवाबदेही तंत्र की कमी नैतिक आचरण को कमजोर कर सकती है। नैतिक दुविधाएं अक्सर वहां उत्पन्न होती हैं जहां नियम स्पष्ट नहीं होते हैं।

आगे की राह: नैतिकता प्रशिक्षण, मजबूत संस्थागत ढांचे और उदाहरण पेश करने वाला नेतृत्व आवश्यक है। 'व्हिसलब्लोअर प्रोटेक्शन' (मुखबिर संरक्षण) और पारदर्शिता कानून जैसे तंत्र नैतिक शासन को मजबूत करते हैं।

इस प्रकार, लोक प्रशासन में नैतिकता उन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता है जो सुशासन और सार्वजनिक विश्वास सुनिश्चित करते हैं।

प्रश्न 5. भारत में आपदा प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका पर चर्चा कीजिए। इसके लाभों और सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) भविष्यवाणी, तैयारी, प्रतिक्रिया और रिकवरी (पुनर्प्राप्ति) को बढ़ाकर आपदा प्रबंधन में परिवर्तन ला रहा है।

AI की भूमिका: AI उपग्रहों, सेंसरों और ऐतिहासिक रिकॉर्डों के विशाल डेटासेट का विश्लेषण करके प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को सक्षम बनाता है। उदाहरण के लिए, AI मॉडल अधिक सटीकता के साथ चक्रवात, बाढ़ और भूकंप की भविष्यवाणी कर सकते हैं।

आपदाओं के दौरान, AI-संचालित ड्रोन खोज और बचाव कार्यों में सहायता करते हैं। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम क्षति मूल्यांकन और संसाधन आवंटन में मदद करते हैं। चैटबॉट्स और संचार उपकरण समन्वय में सुधार करते हैं।

लाभ: AI आपदा प्रतिक्रिया में दक्षता और गति में सुधार करता है। यह मानवीय जोखिम को कम करता है और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है। 'प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स' (भविष्य कहनेवाला विश्लेषण) सक्रिय योजना बनाने में मदद करता है, जिससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

सीमाएं: चुनौतियों में डेटा गुणवत्ता के मुद्दे, उच्च लागत और तकनीकी बाधाएं शामिल हैं। AI पर अत्यधिक निर्भरता पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की उपेक्षा का कारण बन सकती है। गोपनीयता और डेटा सुरक्षा जैसी नैतिक चिंताएं भी उत्पन्न होती हैं।

आगे की राह: पारंपरिक तरीकों के साथ AI को एकीकृत करना, बुनियादी ढांचे में निवेश करना और डेटा गवर्नेंस सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। क्षमता निर्माण और जन जागरूकता प्रभावशीलता को बढ़ा सकती है।

इस प्रकार, आपदा प्रबंधन में क्रांति लाने के लिए AI में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसकी सफलता संतुलित और समावेशी कार्यान्वयन पर निर्भर करती है।

SIVSIGMA IAS
Dream | Dare | Deliver